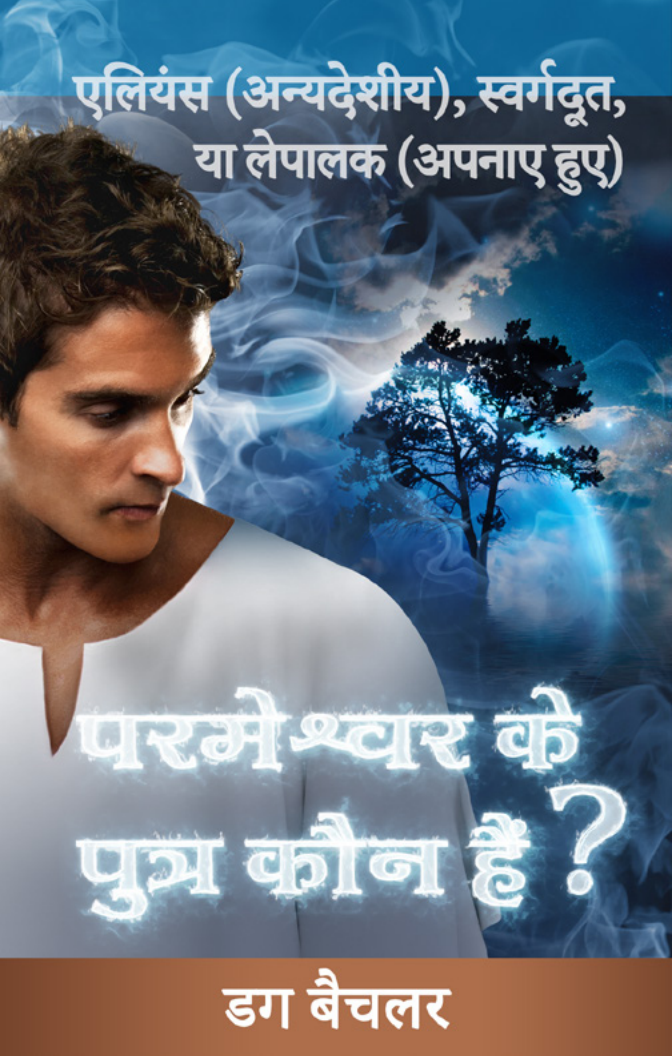

एलियंस (अन्यदेशीय), स्वर्गदूत, या लेपालक (अपनाए हुए)

परमेश्वर के पुत्र कौन हैं ?

डग बैचलर

Copyright © 2011, 2021
by Amazing Facts

All rights reserved.
Printed in India.

Published by:
Amazing Facts India
Post Box No 51
Banjara Hills, Hyderabad
Telangana, 500034

www.AmazingFactsIndia.org

एलियंस (अन्यदेशीय), स्वर्गदूत,
या लेपालक (अपनाए हुए)

परमेश्वर के पुत्र कौन हैं?

डग बैचलर

परमेश्वर के पुत्र कौन हैं? 2
स्वर्गदूत आत्मा हैं 7
लौकिक जीवन? 8
ग्रहों के प्रधान 10
धार्मिकता के वारिस 12
मनुष्य की पुत्रियाँ 14
भिन्न-जाति में विवाह 17
बहुविवाह 21
एक विशालकाय समस्या 23
दत्तक ग्रहण का चुनाव 26

परमेश्वर के पुत्र कौन हैं?

30 अक्टूबर, 1938। हैलोवीन से ठीक पहले की रात थी, और कई अमेरिकी कोलंबिया ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम के लिए अपने रेडियो को ट्यून कर रहे थे, जिसने मौसम पर रिपोर्टिंग पूरी कर ली थी और संगीत बजाना शुरू किया था। मंगल पर अजीब विस्फोट के बारे में एक समाचार प्रसारण द्वारा क्षणों के भीतर प्रसारण बाधित हो गया। उद्घोषक ने दर्शकों को आश्वस्त किया कि जैसे-जैसे अधिक जानकारी उपलब्ध होगी, और अधिक घोषणाएं की जाएंगी। फिर संगीत जारी रहा।

जैसे-जैसे रात बढ़ रही थी, संगीत अक्सर बाधित हो रहा था, अब एक आक्रमण की भयानक रिपोर्ट के साथ। मंगल ग्रह से एलियंस न्यू जर्सी और दुनिया भर के शहरों में उतरे थे। पृथ्वी पर पूर्ण अनुपात का हमला हो रहा था। कई लोग प्रसारण को सुनकर भयभीत हो गए, और कुछ लोग अपने घरों को छोड़कर भाग गए।

लेकिन यह सब काल्पनिक था।

एक युवा ऑर्सन वेल्स ने प्रसारण के लिए एच. जी. वेल्स लिखित पुस्तक वॉर ऑफ द वर्ल्ड्स को अनुकूलित किया और कहानी को प्रस्तुत करने के लिए कथानक को संशोधित किया जैसे कि यह वास्तविक समय में हो रहा था। कई श्रोताओं ने कल्पना को वास्तविक मान लिया। जो लोग घबराए थे वे अधूरी जानकारी के साथ काम कर रहे थे। उन्होनें प्रसारण के आरम्भ और अंत में स्टेशन को घोषणा करते हए नहीं सुना था कि यह

सब नाटक था। बीच में आकर, कहानी का केवल एक हिस्सा सुनकर, उनके पास कोई संदर्भ नहीं था और वे यह सोचकर भाग गए कि आपदा आसन्न है। इसी तरह, उत्पत्ति की पुस्तक में एक पैगाम दिया गया है, जब संदर्भ से बाहर पढ़ा जाता है, तो कई लोगों का मानना है कि पृथ्वी पर बाहरी अंतरिक्ष से एलियंस द्वारा आक्रमण किया गया है। आइए उस गूढ़ पद पर एक नजर डालें:

"फिर जब मनुष्य भूमि के ऊपर बहुत बढ़ने लगे, और उनके बेटियां उत्पन्न हुई, तब परमेश्वर के पुत्रों ने मनुष्य की पुत्रियों को देखा, कि वे सुन्दर हैं; सो उन्होंने जिस जिस को चाहा उन से ब्याह कर लिया।

यह एक ऐसा वाक्यांश है जो उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक पूरी बाइबल में चलता है: "परमेश्वर के पुत्र"। इसलिए मुझे लगता है कि यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि हम समझें कि यह वास्तव में क्या कह रहा है, क्या आप नहीं चाहते हैं? कुछ का मानना है कि "परमेश्वर के पुत्र" शब्द का अर्थ अलौकिक घुसपैठियों से है। उनका मानना है कि ये प्राणी अंतरिक्ष से गिरे हुए स्वर्गदूत या दुष्ट एलियन हैं जिन्होंने महिला मनुष्यों को पत्नियों के रूप में लिया और कुछ उल्लेखनीय संतानें पैदा कीं। वे इस धारणा को यह कहते हुए तर्कसंगत ठहराते हैं कि, इस बात के लिए कि इन विवाहों द्वारा उत्पन्न संतान "शूरवीर" (4) क्यों थी, केवल यही स्पष्टीकरण है। वे यह भी मानते हैं कि ये अपवित्र विवाह मनुष्य की बढ़ती दुष्टता के लिए अंततः जिम्मेदार थे जिसके कारण जलप्रलय

हुआ। कुछ बाइबल अनुवाद स्पष्टतया कहते हैं, "उनकी कुछ बेटियाँ इतनी सुंदर थीं कि अलौकिक प्राणियों ने नीचे आकर अपनी इच्छानुसार विवाह किया"। हालाँकि, यह अनुवाद अच्छी तरह मूल इब्री भाषा के अनुरूप नहीं है। इसके अलावा, मसीह के समय, बहुत सारी संदिग्धप्रमाण किताबें प्रचलन में थीं; इनमें से कुछ कृतियों में इस प्रकार की विचित्र व्याख्याएँ भी हैं। उदाहरण के लिए, क्या आपने हनोक की पुस्तक के बारे में सुना है? यह बाइबिल में नहीं है, लेकिन यह यहूदा की पुस्तक में संक्षिप्त रूप से उल्लिखित है। यहूदा की पुस्तक का लेखक वास्तव में हनोक से कुछ पंक्तियों को उद्धृत करता है, जो मसीह के समय से एक लोकप्रिय संदिग्धप्रमाण कृति थी। (यह वास्तव में हनोक द्वारा नहीं लिखा गयी थी)। यह अधिक आधुनिक पिलग्रिम्ज़ प्रोग्रेस के समान, दंतकथाओं की एक पुस्तक थी।

यहूदा ने हनोक की किताब से सच्चाई का आधार निकाला, लेकिन इसे हनोक की किताब में बाकी सब बातों की सत्यता के अनुमोदन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसी तरह, एक व्यक्ति जॉन बनियन से एक या दो उद्धरण देते हुए, उसकी दृष्टान्तकथा से सच्चाई के एक छोटे से आधार को साझा करते हुए, जोश से भरे उपदेश का प्रचार कर सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि कहानियां सच हैं।

याद रखें, किसी भी मसीही धार्मिक शक्ति ने - न कैथोलिक ने और न ही प्रोटेस्टेंट ने-हनोक की पुस्तक को उनके विश्वासों के सुनिश्चित सिद्धान्तों में डालने के लिए नहीं चुना था।

उन्होंने मान्यता दी कि यह सत्य से अधिक पौराणिक है, और यह निश्चित रूप से बाइबल के साथ एक समान स्तर पर प्रेरित नहीं थी, अगर थोड़ा भी।

अब जब आप इसका स्थान समझते हैं, तो यह है जो हनोक की पुस्तक परमेश्वर के पुत्रों के बारे में कहती हैः

यह उन दिनों में मनुष्य के पुत्रों के गुणा होने के बाद हुआ और उनसे शीलवती और सुंदर पुत्रियां पैदा हुईं और जब स्वर्गदूतों, स्वर्ग के पुत्रों ने उन्हें देखा, तो वे उन पर आसक्त हो गए और उन्होंने एक-दूसरे से कहा, आओ, हम अपने लिए मनुष्य की विलक्षण प्रतिभासंपन्न पुत्रियों में से पत्नियों का चयन करें और बाल-बच्चे उत्पन्न करें (7:1)।

कुछ शुरुआती कलीसियाओं के अगुवों ने इस पंक्ति को पढ़ा, दो बार आँख झपकाईं और समझा कि यह वास्तव में उस तरह से हुआ होगा। परिणामस्वरूप, परमेश्वर के कुछ लोगों ने अपनेविश्वासपूर्ण विचार के संग्रह से इस कल्पित कहानी को पूरी तरह से हिलाया नहीं है। हालाँकि, यह एक काल्पनिक व्याख्या है, जिसे अगर गंभीरता से ले लिया जाए, तो वास्तव में यह बाइबल की बहुत सी शिक्षाओं के साथ भारी समस्याएँ पैदा कर देगी। वास्तव में, इस अवतरण को समझने का एक और महत्वपूर्ण कारण है। उत्पत्ति 6 में होने वाली बातें, विशेष रूप से पहले कुछ पद, दुनिया की परिस्थितियों को दर्शाते हैं, जिसके कारण नूह के समय में बाढ़ से पृथ्वी का विनाश हुआ

था। और ये बातें हमारे समय में दोहराई जा रही हैं। इसलिए हमारे लिए यह समझना अच्छा है कि बाइबल वास्तव में यहाँ क्या कह रही है और क्या नहीं कह रही है।

सतह पर, यह दावा करते हुए कि "परमेश्वर के पुत्र" पतित स्वर्गदूतों को संदर्भित करते हैं, शायद एक पेचीदा निष्कर्ष लगता है। लेकिन जैसा कि हम देखेंगे, इस अवतरण को घेरे हुए संदर्भ को समझे बिना, आप वास्तव में यह विश्वास करने में भ्रमित हो सकते हैं कि कुछ मिथक वास्तविक हैं।यदि पवित्रशास्त्र हमें जो बताता है, उसके बारे में कोई भ्रम है, तो यह आमतौर पर जानकारी की कमी के कारण है। जब धर्मगुरु स्वर्ग में शादी को लेकर उलझन में थे, तो यीशु ने उनसे कहा,"क्या तुम इस कारण से भूल में नहीं पड़े हो, कि तुम न तो पवित्र शास्त्र ही को जानते हो, और न परमेश्वर की सामर्थ को" (मरकुस 12:24)। दूसरे शब्दों में, यीशु यहाँ कह रहा है, "तुम समझ नहीं रहे हो कि मैं क्या कह रहा हूँ क्योंकि तुम परमेश्वर के वचन को नहीं जानते।" सौभाग्य से, हम बाइबल से थोड़ी अधिक जानकारी इकट्ठा करके और पवित्रशास्त्र के साथ पवित्रशास्त्र की तुलना करके परमेश्वर के पुत्रों के बारे में किसी भी भ्रम को आसानी से दूर कर सकते हैं।

स्वर्गदूत आत्मा हैं

किंग जेम्स बाइबल "परमेश्वर के पुत्र" शब्द का उपयोग दो प्राथमिक तरीकों से 11 बार करती है।हालांकि, यह कभी भी एक स्वर्गदूत समान प्राणी का उल्लेख करने के लिए शब्द का उपयोग नहीं करती है। "जो पवनों को अपने दूत बनाता है" (भजन संहिता 104:4)। स्वर्गदूत आत्माएं हैं; वे देह नहीं हैं। वे अब हमारे चारों ओर हैं, लेकिन हम उन्हें देख नहीं सकते। वे आम तौर पर अपने आध्यात्मिक रूप में बने रहते हैं और उनका हमारी दुनिया में बहुत कम भौतिक एकीकरण है - वे स्कूल नहीं जाते हैं, नौकरी नहीं पाते हैं, और ना ही परिवार बढ़ाते हैं। वे यहाँ "उद्धार पाने वालों की सेवा के लिये भेजी गयी संहायक आत्माएँ हैं?" (इब्रानियों 1:14)।

यहां तक कि अगर वे विवाह करना और बच्चे पैदा करना भी चाहते, तो वे नहीं कर सकते थे; उनके पास मानव डीएनए (डी-ऑक्सीराइबोन्यूक्लिक अम्ल) नहीं है। स्वर्गदूतों के लिए मनुष्यों से शादी करने की तुलना में जेलीफिश के लिए पहाड़ी बकरी से शादी करना आसान होगा। इस प्रकार, यह विश्वास करने के लिए कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है कि उत्पत्ति में अवतरण पतित या पवित्र स्वर्गदूतों के मनुष्यों के साथ विवाह होने को संदर्भित करता है। स्वर्गदूत जन्म नहीं लेते; उन्हें सिरजा गया था। यदि परमेश्वर अधिक स्वर्गदूत चाहता था, उन्हे पुनः उत्पन्न करने के लिए उसे उनकी मनुष्यों या अन्य स्वर्गदूतों से शादी कराने की आवश्यकता नहीं थी। वह उन्हें शुरू से बना

सकता था। लूसिफेर की बात करते हुए, परमेश्वर ने कहा, "तेरे डफ और बांसुरी की कारीगरी तेरे लिए तैयार की गई थी; जिस दिन तू सिरजा गया था (यहेजकेल 28:13)।

इसके अलावा, यीशु हमें स्पष्ट रूप से बताता है कि स्वर्गदूत शादी नहीं करते हैं। विवाह एक विशिष्ट मानवीय संस्था है, जो मानव जाति के लिए आरक्षित है। "पुनरुत्थान में लोग न तो शादी करेंगे और न ही कोई शादी में दिया जायेगा। बल्कि वे स्वर्ग के दूतों के समान होंगे।"(मत्ती 22:30)। मरकुस और लूका एक ही बात का सुझाव देते हैं: "और वे फिर कभी मरेंगे भी नहीं, क्योंकि वे स्वर्गदूतों के समान हैं, वे परमेश्वर की संतान हैं "(लूका 20:36); कुछ अनुवाद इन्हें "परमेश्वर के पुत्र") कहते हैं। यहाँ ध्यान दें कि यीशु स्वर्गदूतों और परमेश्वर के पुत्रों के बीच अंतर करता है। उन्हें अलग से वर्गीकृत किया गया है, जिसका अर्थ है कि वे एक ही चीज नहीं हैं।

तो अगर परमेश्वर के पुत्र स्वर्गदूत नहीं हैं, तो वे कौन हैं या क्या हैं?

लौकिक जीवन?

जबकि हमारे अवतरण में परमेश्वर के पुत्र अंतरिक्षीय घुसपैठ करनेवाले नहीं थे, फिर भी बाइबल सिखाती है कि विश्व में अन्य जीवन है। पवित्रशास्त्र में यह स्पष्ट है कि यीशु ने अन्य ग्रहों को बनायाः परमेश्वर"इन दिनों के अन्त में

हम से पुत्र के द्वारा बातें की, जिसे उस ने सारी वस्तुओं का वारिस ठहराया और उसी के द्वारा उस ने सारी सृष्टि रची है" (इब्रानियों 1:2)। खोई हुई भेड़ों के दृष्टांत में, पृथ्वी एक खोई हुई भेड़, एक भटकती हुई दुनिया का प्रतिनिधित्व करती है, जो भटक गई थी, जिसे बचाने के लिए एक मसीह आया। यह कल्पना करना आसान है कि परमेश्वर ने अपने अनंत अस्तित्व में, अन्य भौतिक प्राणियों के साथ अन्य ग्रह बनाए।

बेशक, हम जानते हैं कि उसके पास हमारी दुनिया से पहले सेराफिम (उच्च कोटि के स्वर्गदूत) और करूब और अन्य स्वर्गदूत थे, इसलिए कम से कम हम यह जानते हैं कि वे अलौकिक जीव तो हैं। "क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की" (कुलुस्सियों 1:16)। "फिर मैं ने स्वर्ग में, और पृथ्वी पर की सब सृजी हुई वस्तुओं को.... यह कहते सुना, जो सिंहासन पर बैठा है, उसका, और मेम्ने का धन्यवाद, और आदर, और महिमा, और राज्य, युगानुयुग रहे" (प्रकाशितवाक्य 5:13)

हालांकि, यह इस संभावना से अधिक है कि इनमें से अधिकांश अन्य निर्मित प्राणी इस दुनिया की यात्रा नहीं करते हैं। आप कह सकते हैं कि पृथ्वी पाप नामक घातक संक्रामक बीमारी से संक्रमित है, और हम अस्पताल के अलग कमरे में हैं। केवल अस्पताल के कर्मचारियों को अस्पताल के संगरोध वार्ड में जाने की अनुमति दी गई है; इस मामले में, परमेश्वर मुख्य चिकित्सक है, और और उसके स्वर्गदूत सेवा टहल करने वाली आत्माएं हैं।

ग्रहों के प्रधान

हजारों साल पहले, एक पहेलीनुमा "दिल में गड़ने वाली" बैठक स्वर्ग में हुई थी। "एक दिन यहोवा परमेश्वर के पुत्र उसके साम्हने उपस्थित हुए, और उनके बीच शैतान भी आया" (अय्यूब 1:6)। इस सभा में उपस्थिति परमेश्वर के पुत्रों के साथ-साथ स्वयं शैतान भी हैं। शैतान कहता है कि वह पृथ्वी से आया है। परमेश्वर के पुत्र वहाँ परमेश्वर के स्वर्ग में अपनी अपरिष्कृत दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। शैतान पृथ्वी का प्रतिनिधित्व करने के लिए वहाँ गया था।

शैतान हमारी दुनिया का प्रतिनिधित्व क्यों करेगा? मूल रूप से, आदम का पृथ्वी पर प्रभुत्व था। उसे परमेश्वर द्वारा इसे अधीन करने और प्रबंधित करने के लिए बनाया गया था। परमेश्वर ने आदम और हवा से कहा, "पृथ्वी को अपने वश में कर लो; और समुद्र की मछलियों, तथा आकाश के पक्षियों, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जन्तुओं पर अधिकार रखो"(उत्पत्ति 1:28)।

जब आदम परमेश्वर की आज्ञाकारिता में था, तब उसने सम्पूर्ण दुनिया पर प्रभुत्व का आनंद लिया। लेकिन एक बार जब आदम ने पाप किया और शैतान की बात मानी, तो वह प्रभुत्व शत्रु के पास चला गया। "जिस की आज्ञा मानने के लिये तुम अपने आप को दासों की नाईं सौंप देते हो, उसी के दास होः और जिस की मानते हो, चाहे पाप के, जिस का अन्त

मृत्यु है, चाहे आज्ञा मानने के, जिस का अन्त धार्मिकता है" (रोमियो 6:16)।

यहां तक कि यीशु ने शैतान को "इस जगत का सरदार" कहा (यूहन्ना 12:31)। वास्तव में, मत्ती 4:8-10 में, शैतान यीशु पर पृथ्वी के प्रभुत्व को हस्तांतरित करने की पेशकश करता है - यदि यीशु केवल उसके आगे झुके और उसकी उपासना करे। यह समझ में आता है कि यदि पृथ्वी का प्रभुत्व देने के लिए शैतान का नहीं होता तो शैतान पृथ्वी का प्रभुत्व नहीं दे सकता था। इसलिए जब परमेश्वर जगत के राज्यपालों या "परमेश्वर के पुत्रों" की बैठक बुलाता है, तो शैतान पृथ्वी का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपस्थित होता है।

लूका रचित सुसमाचार में, यीशु की वंशावली पूरी तरह से पीछे आदम तक जाती है। ध्यान दीजिए कि लूका इस वंश के बारे में क्या कहता हैः "एनोश का पुत्र, एनोश जो शेत का, शेत जो आदम का, और आदम जो परमेश्वर का पुत्र था।" (लूका 3:38)। शेत और आदम के बीच का अंतर मध्यबिन्दु है। आदम की सृष्टि परमेश्वर के हाथों से हुई; शेत का जन्म हवा से हुआ था। आदम परमेश्वर का पुत्र था, जिसका सृजन पृथ्वी पर प्रभुत्व के लिए किया गया था। इस प्रकार, परमेश्वर के पुत्रों के लिए एक परिभाषा है, वे प्राणी जिनका सृजन परमेश्वर ने स्वयं किया था, उन ग्रहों पर प्रभुत्व करने के लिए जो उसने बनाए थे। ये प्राणी पैदा नहीं हुए थे बल्कि सीधे परमेश्वर द्वारा बनाए गए थे। अय्यूब 38:7 हमें बताता है कि, "भोर के तारे एक संग आनन्द से गाते थे और परमेश्वर के सब पुत्र जयजयकार करते

थे। "भोर के तारे" स्वर्गदूत हैं, जबकि "परमेश्वर के पुत्र" अन्य ग्रह के सरदार हैं। (प्रकाशितवाक्य 1:20 देखें)। इस स्पष्टीकरण के साथ, "परमेश्वर के पुत्र" के उपयोग के दूसरे तरीके के बारे में बात करते हैं।

धार्मिकता के वारिस

परमेश्वर के पुत्रों का दूसरा अर्थ उन मनुष्यों को संदर्भित करता है जिन्हें परमेश्वर की आत्मा द्वारा पुनः बनाया गया है।

"जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं" (रोमियों 8:14)। मत्ती 5:9 कहता है, "धन्य हैं वे, जो मेल करवाने वाले हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे"। यहाँ यीशु स्पष्ट रूप से मनुष्यों का उल्लेख कर रहा है, लेकिन किसी भी मनुष्य का नहीं; ये शांतिवादी, परमेश्वर के धर्मी संतान हैं। किसी भी तरह से इसे स्वर्गदूतों या एलियंस का संदर्भ नहीं समझना चाहिए।

"परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं"(यूहन्ना 1:12)।ध्यान दें कि ऐसे लोग थे जो परमेश्वर के पुत्र नहीं थे, लेकिन उसेग्रहणकरने से परमेश्वर के पुत्र बन गए। '"जितने लोग परमेश्वर की आत्मा के के चलाए चलते हैं, वे परमेश्वर के पुत्र हैं" (रोमियों 8:14)।

यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि "परमेश्वर के पुत्र" का मतलब सिर्फ पुरुषों से नहीं है। कई बाइबिल अनुवाद वाक्यांश को "परमेश्वर के सन्तान" रूपांतरित करते हैं। गलातियों 3:26 कहता है, "क्योंकि तुम सब उस विश्वास करने के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर की सन्तान हो।" यह विश्वास के द्वारा है कि एक आदमी या औरत परमेश्वर की सन्तान हो जाता है। और, बेशक, कुछ पदों में परमेश्वर के दत्तक पुत्र और पुत्रियों का उल्लेख है। "मैं अपने भवन और अपनी शहर-पनाह के भीतर उन को ऐसा नाम दूंगा जो पुत्र-पुत्रियों से कहीं उत्तम होगा; मैं उनका नाम सदा बनाए रखूंगा और वह कभी न मिटाया जाएगा।" (यशायाह 56:5)।

"ताकि व्यवस्था के अधीनों को मोल लेकर छुड़ा ले, और हम को लेपालक होने का पद मिले। और तुम जो पुत्र हो, इसलिये परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो हे अब्बा, हे पिता कह कर पुकारता है, हमारे हृदय में भेजा है। इसलिये तू अब दास नहीं, परन्तु पुत्र है और जब पुत्र हुआ, तो परमेश्वर के द्वारा वारिस भी हुआ" (गलातियों 4:5-7; यशायाह 56:5; फिलिप्पियों 2:15 भी देखें)।

इन पदों और अन्य से अपरिहार्य निष्कर्ष यह है कि उत्पत्ति 6 में "परमेश्वर के पुत्र" परमेश्वर के धर्मी सन्तान को संदर्भित करते हैं।

मनुष्य की पुत्रियाँ

इसका मतलब यह होगा कि उत्पत्ति 6 में इस्तेमाल की जाने वाली "मनुष्यों की पुत्रियों", मनुष्य के अधर्मी सन्तान की पुत्रियों या उन मनुष्यों को संदर्भित करती है जो प्रभु के नाम की दुहाई नहीं देते। हमारे बाइबल अवतरण के संदर्भ में, "मनुष्यों की पुत्रियाँ" कैन और उसकी पत्नी की संतानों को संदर्भित करती हैं।"

आगे बढ़ने से पहले, मैं सबसे लोकप्रिय प्रश्नों में से एक से निपटना चाहूंगा जिसमें संदेहवादी बाइबल के बारे में प्रश्नों से घबरा देने का आनंद लेते हैं; जैसे, "कैन की पत्नी कहाँ से आई?" यह एक और उदाहरण है जहाँ आपको अपना उत्तर पाने के लिए सिर्फ पढ़ने की आवश्यकता है। उत्पत्ति 5:4 बताता है कि आदम और हवा के कई पुत्र और पुत्रियाँ थीं। यदि आप आदम की तरह 930 साल जीवित रहते, और यदि आप केवल अपने 20 प्रतिशत जीवन के लिए स्वस्थ, उर्वरक और प्रजननशील होते, तो भी आपके पास लगभग 200 बच्चे पैदा करने वाले वर्ष होते। फूलने-फलने, और पृथ्वी में भर जाने की परमेश्वर की आज्ञा के साथ, कोई संदेह नहीं है कि आदम और हवा के वंशज काफी हद तक असंख्य हो गए।

पहली पीढ़ियों द्वारा अनुभव की गई परिपूर्ण जीवन शक्ति और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ... शायद, उनके पास शायद बहुत सारे बच्चे थे। इसलिए कैन ने निस्संदेह अपनी कई बहनों में से एक को अपनी पत्नी के रूप में लिया। बाइबल के

इतिहास में इस बिंदु पर, जब मनुष्य की आनुवंशिक जीवन शक्ति अपने चरम पर थी, तब इस प्रथा को मना करने के लिए कुछ भी नहीं था। अब्राहम ने अपनी सौतेली बहन से शादी की (उत्पत्ति 20:2)। इसहाक ने अपनी चचेरी बहन से शादी की। मूसा के समय तक यह नहीं था कि बहन से शादी करना निषिद्ध था, संतान के साथ आनुवंशिक कमजोरी और स्वास्थ्य जटिलताओं के अधिक जोखिम के कारण (व्यवस्थाविवरण 27:22)।

सबसे पहले, आदम और हवा के दो बेटे कैन और हाबिल थे। कैन ने हाबिल की हत्या कर दी, इसलिए परमेश्वर ने आदम और हवा को एक और पुत्र दिया, जिसका नाम उन्होंने शेत रखा। उसके स्वयं के बच्चे होने लगे और "उसी समय से लोग यहोवा से प्रार्थना करने लगे" (उत्पत्ति 4:25,26)। और बाइबल में जो हमने देखा है, उसमें से जो लोग यहोवा से प्रार्थना करते हैं, उन्हें परमेश्वर के पुत्र कहा जाता है। "परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं" (यूहन्ना 1:12)। "और जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वही उद्धार पाएगा" (प्रेरितों के काम 2:21)।

अब कैन को उसके भाई की हत्या के बाद परमेश्वर की उपस्थिति से निर्वासित कर दिया गया था। "तब कैन नोद नाम देश में, जो अदन के पूर्व की ओर है, रहने लगा। जब कैन अपनी पत्नी के पास गया जब वह गर्भवती हुई और हनोक को

जन्मी, फिर कैन ने एक नगर बसाया और उस नगर का नाम अपने पुत्र के नाम पर हनोक रखा"। (उत्पत्ति 4:16-18)।

यहाँ, बाढ़ से पहले, हमारे पास शहरों में रहने वाले कैन के वंशज और देश में रहने वाले शेत के वंशज हैं। । जब तक वे अलग-अलग रहे, परमेश्वर के पुत्र अपनी धार्मिक मान्यताओं और प्रथाओं में शुद्ध रहे। हालांकि, आखिरकार उन्होंने आपस में मिलना-मिलाना शुरू कर दिया। हो सकता है कि परमेश्वर के पुत्रों को आपूर्ति की आवश्यकता थी जो उन शहरों में अधिक आसानी से प्राप्त की जा सकती थीं जहाँ पुरुषों की पुत्रियाँ निवास करती थीं। परमेश्वर के पुत्र और मनुष्य की पुत्रियाँ एक-दूसरे से परिचित हो गए, यहाँ तक कि मित्रवत भी। जो भी हो, जल्द ही शेत के धर्मपरायण पुत्र या परमेश्वर के पुत्र कैन की खूबसूरत पुत्रियों से आकर्षित होकर इन "मनुष्य की पुत्रियों" अर्थात कैन की वंशजों से शादी करने लगे। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर के पुत्रों ने अपनी इच्छानुसार पत्नियों को लेने का फैसला किया- उन स्त्रियों को जो देखने में आकर्षक थीं- उनके नैतिक चरित्र की परवाह किए बिना। उन्होंने अच्छी सलाह को नजरअंदाज कर दिया और संभावना है कि उन्हें अपने माता-पिता की सहमति नहीं मिली और न तो इस मामले में उन्होंने परमेश्वर के साथ परामर्श किया और न ही उसकी इच्छा पर विचार किया।

भिन्न-जाति में विवाह

यह भी बहुत संभव है कि परमेश्वर के पुत्र अच्छे इरादों के साथ इस स्थिति में गए। शायद उन्हें विश्वास था कि वे कैन की इन पुत्रियों का अपने परमेश्वर से परिचय करवाकर, उनको धर्मांतरित कर सकते थे। यह भी संभव है कि कैन की पुत्रियों ने परमेश्वर के पुत्रों को वायदों के साथ लुभाया, यह कहते हुए कि वे अंततः प्रभु का पालन करेंगी। हालाँकि, परमेश्वर का परामर्श और स्पष्ट नहीं हो सकता थाः

"अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो, क्योंकि धामिर्कता और अधर्म का क्या मेल जोल? या ज्योति और अन्धकार की क्या संगति? और मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव? या विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता? और मूरतों के साथ परमेश्वर के मन्दिर का क्या सम्बन्ध? क्योंकि हम तो जीवते परमेश्वर का मन्दिर हैं; जैसा परमेश्वर ने कहा है कि मैं उन में बसूंगा और उन में चला फिरा करूंगा; और मैं उन का परमेश्वर हूंगा, और वे मेरे लोग होंगे। इसलिये प्रभु कहता है, कि उन के बीच में से निकलो और अलग रहो; और अशुद्ध वस्तु को मत छूओ, तो मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा। और तुम्हारा पिता हूंगा, और तुम मेरे पुत्र और पुत्रियाँ होगेः

यह सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर का वचन है" (2 कुरिन्थियों 6:14-18)।

परमेश्वर नहीं चाहता कि उसके बच्चे अपरिवर्तितों या अविश्वासियों से शादी करें, भले ही उनके पास एक सुंदर चेहरा हो, सबसे अच्छा स्वभाव, या आध्यात्मिक क्षेत्र के बारे में एक भावपूर्ण विश्वास। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता; परमेश्वर कहता है कि रिश्ते में समस्याएं होंगी। परमेश्वर की स्तुति करो कि वह दयालु है। कभी-कभी वह हमारे विद्रोह और बुरे फैसलों के बावजूद हमें आशीर्वाद देता है। ऐसी परिस्थितियाँ आई हैं जिनमें विश्वासी अविश्वासियों से विवाह करते हैं और अविश्वास करने वाला आखिरकार अपना लेता है। फिर भी शादी करना गलत था। परमेश्वर के शब्द अचूक हैंः अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो। लेकिन पश्चाताप और आत्मसमर्पण करने पर परमेश्वर क्षमा करता है। अगर यह सच नहीं है, तो हम में से अधिकांश के लिए कोई उम्मीद नहीं होगी। परमेश्वर कभी-कभी हमारे बुरे विकल्पों के परिणामों को कम करता है, लेकिन जानबूझकर उसकी सलाह को अनदेखा करना नासमझी है। आप उस समस्या का हिस्सा बन जाते हैं जिससे दुनिया में बड़ी दुष्टता पैदा हो जाएगी जब मनुष्य के दिल के सभी विचार केवल लगातार बुरे होते हैं।

इसलिए इन अंतरजातिय विवाह के परिणाम केवल शूरवीर नहीं थे, बल्कि दुःख भी थे। बजाय इसके कि मनुष्य की

पुत्रियों को परमेश्वर के पुत्र प्रभावित करते, मनुष्य की पुत्रियों ने परमेश्वर के पुत्रों को प्रभावित किया।

"और न उन से ब्याह शादी करना, न तो उनकी बेटी को अपने बेटे के लिये ब्याह लेना। क्योंकि वे तेरे बेटे को मेरे पीछे चलने से बहकाएंगी, और दूसरे देवताओं की उपासना करवाएगीं और इस कारण यहोवा का कोप तुम पर भड़क उठेगा, और वह तुझ को शीघ्र सत्यानाश कर डालेगा" (व्यवस्थाविवरण 7:3,4)।

बाइबल परमेश्वर के पुत्रों के मनुष्य की पुत्रियों के साथ परस्पर विवाह संबंध करने और परिणाम के रूप में आने वाली आपदाओं की कहानियों से भरी हुई है। शिमशोन, परमेश्वर द्वारा चुना गया, फिलिस्तीन महिलाओं द्वारा पटरी से उतर गया था। उसके माता-पिता ने एक बुतपरस्त दुल्हन से शादी करने से बचने के लिए उसके साथ विनती की, लेकिन उसने जो चाहा, उसे करने के लिए आग्रह किया। उसके माता पिता ने उस से कहा, क्या तेरे भाइयों की बेटियों में, वा हमारे सब लोगों में कोई स्त्री नहीं है, कि तू खतनाहीन पलिश्तियों में की स्त्री विवाह करना चाहता है? शिमशोन ने अपने पिता से कहा, उसी से मेरा विवाह करा दे; क्योंकि मुझे वही अच्छी लगती है" (न्यायियों 14:3)।

इसी तरह, राजा सुलैमान को इस बात पर कोई शक नहीं था कि वह बुतपरस्त देशों से पुत्रियों की शादी कर सकता है

और अपनी नायाब बुद्धि के साथ उन्हें परिवर्तित कर सकता है। हालाँकि, उन बुतपरस्त पुत्रियों ने सुलैमान के हृदय को प्रभावित किया। यही कारण है कि परमेश्वर इस विषय पर अडिग है कि उसके सन्तान को अविश्वासियों से विवाह नहीं करना चाहिए। यह लगभग हमेशा होता है कि आस्तिक धीरे-धीरे अविश्वासी द्वारा बदल दिया जाता है, न कि दूसरे तरीके से।

इसी तरह यीशु के पास हमारे लिए इन अंत समय में एक चेतावनी हैः

"जैसे नूह के दिन थे, वैसा ही मनुष्य के पुत्र का आना भी होगा। क्योंकि जैसे जल-प्रलय से पहिले के दिनों में, जिस दिन तक कि नूह जहाज पर न चढ़ा, उस दिन तक लोग खाते-पीते थे, और उन में विवाह होते थे" (मत्ती 24:37,38)।

यीशु यहाँ उत्पत्ति 6 के अंतरजातीय विवाहों का जिक्र कर रहा है, जिससे वह दुष्टता उत्पन्न हुई जिसके परिणामस्वरूप जलप्रलय हुआ। नूह के समय की तरह, बाढ़ से पहले, पानी से जलप्रलय के द्वारा दुनिया के विनाश के लिए जिम्मेदार चीजें फिर से होने जा रही हैं। जब यीशु फिर से आता है तो आग की बाढ़ से दुनिया के विनाश से पहले क्या होने वाला है, जल-प्रलय पूर्व की घटनाएँ, इसका एक पूर्वावलोकन है। इतिहास खुद को दोहराने जा रहा है, लेकिन हमें दोहराने वाले अपराधियों में से नहीं होना चाहिए।

बहुविवाह

परमेश्वर के पुत्रों और मनुष्य की पुत्रियों के बीच अंतरजातीय विवाह अवज्ञा का एकमात्र परिणाम नहीं थे। उत्पत्ति 6:2 में हम पढ़ते हैं, "तब परमेश्वर के पुत्रों ने मनुष्य की पुत्रियों को देखा, कि वे सुन्दर हैं; सो उन्होंने जिस जिस को चाहा उन से विवाह कर लिया"। यहीं से बहुविवाह भी शुरू हुआ। "लेमेक ने दो स्त्रियों से विवाह किया। एक पत्नी का नाम आदा और दूसरी का नाम सिल्ला था" (उत्पत्ति 4:19)।

लैमेक कैन के पुत्रों में से एक था, और उसने दो पत्नियाँ लीं। इसलिए यह केवल एक व्यक्ति के विश्वास से बाहर विवाह करने के बारे में नहीं था जो परमेश्वर की इच्छा के खिलाफ था, यह एक से अधिक लोगों से विवाह करना था। समय की शुरुआत में भी विवाह की पवित्रता खो रही थी। यह वही लगता है जो आज हमारी दुनिया में हो रहा है। यह केवल बदतर हो गया है!

उदाहरण के लिए, एक लोकप्रिय अमेरिकी रियलिटी टेलीविजन कार्यक्रम, जिसे सिस्टर वाइव्स कहा जाता है, लेही, उटाह में रहने वाले बहुसंगमक परिवार के जीवन का दस्तावेज है, जिसमें कोडी ब्राउन नामक एक व्यक्ति, उसकी चार पत्नियां और उनके 16 बच्चे शामिल हैं। यह दावा करते हुए कि यूटा राज्य प्रथम और चौदहवें संशोधन पर आधारित उनके अधिकारों का उल्लंघन करता है, ब्राउन परिवार ने राज्य पर, द्विविवाह कानूनों के कारण, मुकदमा दायर किया।

पूरा देश देख रहा था क्योंकि वही तर्क उन लोगों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं जो कहते हैं कि वे समान लिंग के व्यक्ति से प्रेम करते हैं; इस तरह की असामान्य आपत्ति से, एक व्यक्ति आसानी से दावा कर सकता है कि वे दो या तीन या चार लोगों से प्रेम करते हैं।

जब परमेश्वर के पुत्रों ने अपनी शादी की प्रतिज्ञाओं की पवित्रता को बहिष्कृत कर दिया, तो उनके विश्वास की खासियत, पुरुषों और महिलाओं के बीच भेद का महत्व- एक माँ, एक पिता, एक परिवार के लिए परमेश्वर की योजना- पृथ्वी जल्द ही हिंसा से भर गई और मनुष्य के दिल के विचार केवल लगातार बुरे थे। यीशु का कहना है कि यह "मनुष्य के पुत्र के आने से ठीक पहले" समय के अंत में होगा। वह समय बहुत आ गया है। टेलीविजन चालू करें और लगभग किसी भी स्टेशन पर फ्लिप करें; आप स्वच्छंद संभोग, विकृति, तलाक, धोखे और बहुत सारी हिंसा देखेंगे। हत्या के इर्द-गिर्द कई कार्यक्रम बनाए जाते हैं, जबकि विवाह की पवित्रता का लगातार मजाक उड़ाया जाता है।

लेकिन परमेश्वर कहता है, "मेरा आत्मा मनुष्य के साथ सदा के लिए विवाद करता नहीं रहेगा, क्योंकि मनुष्य भी शरीर ही हैः उसकी आयु एक सौ बीस वर्ष की होगी" (उत्पत्ति 6:3)। परमेश्वर ने भविष्य में देखा और देखा कि यह सब दुष्टता मनुष्य को कहां ले जा रही थी और निश्चित किया कि इसे समाप्त करना होगा। मसीह ने बाद में कहा, "और यदि वे दिन घटाए न जाते, तो कोई प्राणी न बचता; परन्तु चुने हुओं के कारण

वे दिन घटाए जाएंगे" (मत्ती 24:22)। अंत समय में, परमेश्वर को नेक लोगों के लिए इसे फिर से करना होगा। 120 वर्षों के लिए, परमेश्वर का आत्मा, नूह और उसके परिवार के प्रचार और उदाहरण के माध्यम से, उस पीढ़ी के लिए प्रयास करता है जिसे पाप द्वारा कैद किया गया था। उन्होंने सुनने से इनकार कर दिया। जब नूह और उसके परिवार ने जहाज में प्रवेश किया और दरवाजा बंद कर दिया गया, तो अंदर केवल आठ लोग थे जो अभी भी परमेश्वर पर विश्वास करते थे। शेष के लिए परिवीक्षा को बंद कर दिया गया था। सात और दिनों तक, कैन और शेत की उस समामेलित जाति के लिए, जिसके वंशजों ने अपनी पवित्रता का त्याग किया था और खुद को बुराई के हवाले कर दिया था, जहाज के बाहर जीवन चलता रहा। क्या आप आज शुद्ध हैं? परमेश्वर कहता है, "मेरा आत्मा मनुष्य से सदा के लिए विवाद करता नहीं रहेगा।" क्या आप सुनोगे?

एक विशालकाय समस्या

आप सोच रहे होंगे कि मैं "शूरवीर" को संबोधित करना भूल गया हूं जो परमेश्वर के पुत्रों के मनुष्य की पुत्रियों से शादी करने के परिणामस्वरूप पैदा हुए थे। यदि परमेश्वर के पुत्र शेत की पुण्य संतान मात्र थे और मनुष्य की पुत्रियां कैन की महिला वंशज थीं, तो इन संयुग्मनों के बच्चे शूरवीर और पराक्रमी पुरुष क्यों थे?

हम इन दुर्भाग्यपूर्ण लेकिन मानव विवाह के वंश की व्याख्या कैसे करते हैं? खैर, मेरा मानना है कि यह आनुवांशिकी का "आनुवांशिक जीवन शक्ति" नामक एक सरल नियम है जो क्रियाशील है। पहले, शूरवीर हमेशा आसपास रहे हैं। उदाहरण के लिए, 1918 में एल्टन, इलिनोइस में पैदा हुए रॉबर्ट वाडलो को लें। जन्म के समय उसका वजन सामान्य आठ पाउंड, छह औंस था। छह महीने में, उसका वजन 30 पाउंड था। एक साल बाद, 18 महीनों में, उसका वजन 62 पाउंड था। वह मोटा नहीं था; वह ऊँचे कद का था। जब वह आठ वर्ष का था, तब वह आश्चर्यजनक रूप से 6 फीट, 2 इंच और 195 पाउंड तक पहुंच गया। जब वह 13 वर्ष का था, तब वह दुनिया का सबसे ऊँचे कद का बालचर बन गया। 13 साल की उम्र में, उसका कद 7 फीट, 4 इंच था। आखिरकार, रॉबर्ट का कद लगभग 9 फीट तक पहुंच गया! (तुलना में, गोलियत लगभग 9 फीट, 6 इंच था।) रॉबर्ट का कद वास्तव में उसे आधुनिक इतिहास के सबसे ऊँचे कद के व्यक्ति के रूप में योग्य ठहराती है।

लेकिन यह अतिकाय प्रसिद्धि उसके लिए हमेशा आसान नहीं थी। उसके कपड़ों को कपड़े की सामान्य मात्रा के तीन गुना की आवश्यकता होती है, और उसके 37 नम्बर के जूतों की कीमत हजारों डॉलर प्रति जोड़ी होती थी- और वह अतीत में महामंदी के दौरान था। जब रॉबर्ट 20 वर्ष का हुआ, तो इंटरनेशनल शू कंपनी ने उसके जूते मुफ्त में मुहैया कराए और कंपनी को बढ़ावा देने के लिए उसे काम पर रखा। एक आय के लिए उसने बस इतना ही किया। उसने 41 राज्यों में 800

से अधिक शहरों का दौरा किया और अपने सद्भावना दौरे पर 300,000 मील की यात्रा की। सामने की सीट को हटाकर, ताकि रॉबर्ट पीछे बैठ सके और अपने लंबे पैरों को फैला सके, जूता कंपनी को एक कार में बदलाव करना पड़ा।

हालांकि वह विशाल आकार का था, वह बहुत अच्छे स्वभाव का, बुद्धिमान और कोमल था। लोग हमेशा हैरान होकर उसे घूरते थे। वे उससे पूछते, "क्या यह आपको परेशान करता है जब हर कोई आपको घूरता है?" वह जवाब देता, "ओह, मैं बस इस सब के ऊपर देखता हूं।" टिकट संग्रह और फोटोग्राफी का आनंद लेते हुए, उसने एक सामान्य जीवन को बनाए रखने की कोशिश की। यहां तक कि वह उसकी तस्वीर लेने वाले लोगों की तस्वीरें भी लेता था।

रॉबर्ट आधुनिक दिन का एक शूरवीर था, जिसे उत्पन्न होने या उसके अस्तित्व कीव्याख्या करने के लिए न तो पतित स्वर्गदूतों की और न ही अन्यदेशीय की जरूरत थी। परमेश्वर के पुत्रों और मनुष्य की पुत्रियों की विशाल संतान की उत्पत्ति आनुवंशिक जीवन शक्ति से हुई है। जब एक जन समूह वर्षों के लिए अलग-थलग हो जाता है और केवल एक-दूसरे के साथ अंतरजातीय विवाह करता है, जैसे कुछ प्रशांत द्वीप समूह के लोग करते हैं, तो जीन पूल प्रतिबंधित हो जाता है और जन्म दोष और आनुवंशिक असामान्यताओं का खतरा अधिक होता है। इस तरह के अलगाव की कई पीढ़ियों के बाद, जब वे अंततः अपने द्वीप या जनजाति के बाहर शादी करते हैं, तो उन संयुग्मनों के बच्चे अधिक स्वस्थ, मजबूत और, हां, और भी बड़े

होते हैं। दुनिया की सबसे बड़ी बिल्लियां हैं, लाइगर, बाघ और शेर के बीच एक संकर।

दत्तक ग्रहण का चुनाव

हर कोई जो सोचता है कि वह परमेश्वर का पुत्र या परमेश्वर की पुत्री है, वास्तव में नहीं होता है। फरीसी, उस दिन के धार्मिक अगुओं ने यीशु के सामने यह दावा किया कि वे अब्राहम की संतान थे। यीशु ने उन्हें सुधारा। "यदि तुम अब्राहम के बच्चे होते, तो तुम अब्राहम के समान काम करते" (यूहन्ना 8:39)। आपको शायद इस बात का अंदाजा नहीं होगा कि यह कथन यीशु के द्वारा कहने के लिए कितना अपवादात्मक था जब आप इसे पहली बार पढ़ते हैं - लेकिन इसने सार्वजनिक रूप से फरीसियों को शर्मिंदा कर दिया कि वे उत्सुकता से उसकी मृत्यु की योजना बनाने लगे। लेकिन यीशु वहाँ नहीं रुका...

> **"यीशु ने उनसे कहा, 'यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता, तो तुम मुझ से प्रेम रखते; क्योंकि मैं परमेश्वर में से निकल कर आया हूं; मैं आप से नहीं आया, परन्तु उसी ने मुझे भेजा। तुम मेरी बात क्यों नहीं समझते? इसलिये कि मेरा वचन सुन नहीं सकते। तुम अपने पिता शैतान से हो,**

और अपने पिता की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो" (यूहन्ना 8:42-44)।

यह हमारी वास्तविक विरासत का परीक्षण करने का एक सरल सिद्धांत है। हम अपने कार्यों में किस "पिता" का अनुसरण करते हैं? फरीसी कलीसिया में अगुआ थे, फिर भी इसने उन्हें सुरक्षा नहीं दी। बस एक आराधनालय का सदस्य होने के नाते या सिर्फ यहूदी होने के नाते वे परमेश्वर के सन्तान नहीं बने। आज, बस आराघनालय में पंजिका में नामांकित होने से आप परमेश्वर के पुत्र या परमेश्वर की पुत्री नहीं बन जाते हैं। इसके बजाय, हम उसी के बच्चे हैं जिस की हम आज्ञा मानते हैं। जिसकी हम इच्छा पूरी करते हैं, वही हमारा पिता है, चाहे वह धार्मिकता का हो या पाप का (रोमियों 6:16)।

यह बहुत गंभीर है। तो तुम किसके संतान हो? क्या आप परमेश्वर के संतान हो? जब हमारा नया जन्म होता है और हम परमेश्वर के परिवार में अपनाए जाते हैं, तो हम अपने स्वर्गीय पिता का अनुकरण करना चाहेंगे। "सो कोई यह कहता है, कि मैं उस में बना रहता हूं, उसे चाहिए कि आप भी वैसा ही चले जैसा वह चलता था" (1 यूहन्ना 2:6)।

यदि आप अब परमेश्वर के पुत्र या परमेश्वर की पुत्री नहीं हैं, तो आश्चर्यजनक खबर यह है कि आप एक नया परिवार चुन सकते हैं।

"विश्वास ही से मूसा ने सयाना होकर फिरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से इन्कार किया।

इसलिये कि उसे पाप में थोड़े दिन के सुख भोगने से परमेश्वर के लोगों के साथ दुख भोगना और उत्तम लगा। और मसीह के कारण निन्दित होने को मिसर के भण्डार से बड़ा धन समझाः क्योंकि उस की आंखे फल पाने की ओर लगी थीं" (इब्रानियों 11:24-26)।

परमेश्वर द्वारा बुलाए जाने पर, मूसा ने स्वर्गीय अंगीकरण के लिए अपने मिस्री पुत्रीकरण का अदल-बदल किया। यीशु के माध्यम से, आप भी कर सकते हैं।

"परन्तु जब समय पूरा हुआ, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, जो स्त्री से जन्मा, और व्यवस्था के अधीन उत्पन्न हुआ। ताकि व्यवस्था के अधीनों को मोल लेकर छुड़ा ले, और हम को लेपालक होने का पद मिले। और तुम जो पुत्र हो, इसलिये परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो हे अब्बा, हे पिता कह कर पुकारता है, हमारे हृदय में भेजा है। इसलिये तू अब दास नहीं, परन्तु पुत्र है; और जब पुत्र हुआ, तो परमेश्वर के द्वारा वारिस भी हुआ" (गलातियों 4:4-7)।

जेसी ली डगार्ड 11 साल की थीं, जब उसे 10 जून, 1991 को फिलिप गैरीडो और उसकी पत्नी नैन्सी ने बस स्टॉप पर अगवा कर लिया था। उसे एक साउंडप्रूफ (ध्वनिरोधी) झोंपड़ी

में रखा गया था जो सार्वजनिक दृष्टि से अलग-थलग थी। उसे एक गुलाम के रूप में क्रूरता से रखा गया था, और उसने 18 साल के दौरान गैरीडो के बच्चों को भी जन्म किया। थोड़ी देर बाद, यह परिस्थिति उसके लिए सामान्य हो गई। यह साधारण हो गया। उसे विश्वास हो गया था कि वह गैरिडो परिवार का हिस्सा है, लेकिन उसे बाद में पता चला कि फिलिप और नैन्सी वास्तव में किस तरह के दुष्ट व्यक्ति थे। सौभाग्य से, उसे अंततः खोज लिया गया और उस भयानक स्थिति से मुक्त कराया गया और उसे उसके वास्तविक परिवार से पुनः परिचित कराया गया। जीवन के सम्पूर्ण परिवर्तन के बारे में बात करें!

इसी तरह, शैतान ने इस दुनिया में बहुत सारे लोगों का अपहरण कर लिया है जिन्हें परमेश्वर के संतान होना चाहिए। उसने उन्हें पकड़ लिया है और उनका कुप्रयोग किया है,और उनके दिमाग में डाल दिया है कि वे अपने सच्चे परिवार के साथ हैं। उन्हें यकीन है कि शैतान का झूठ सच है, कि वह उनका दोस्त है। फिलिप गैरीडो ने जेसी पर यह दावा किया। शायद आपने भी शैतान की आदत डाल ली है, आपको लगता है कि आप उसके परिवार का हिस्सा हैं। आप उसके आस-पास रहने में सहज हो गए हैं। लेकिन वह एक अपहरणकर्ता है, एक दुरुपयोग करने वाला है। आपको जागना है और यीशु को यह कहते हुए सुनना है कि आप स्वतंत्र हो सकते हैं। फिलिप गैरीडो को 431 साल की जेल की सजा सुनाई गई। उसकी पत्नी को 36 साल की सजा सुनाई गई। जेसी को राज्य से 20 मिलियन डॉलर का भुगतान और साथ ही एक बड़ी पुस्तक का सौदा भी

प्राप्त हुआ। यदि वह अपने जीवन के शेष समय के लिए अच्छी तरह से अपने पैसे का प्रबंधन करती है, तो वह शायद आर्थिक रूप से ठीक होगी। किसी के विकृत पिछवाड़े के आँगन में एक झोंपड़ी में रहने से भाग्य का कैसा परिवर्तन - मुक्त होना, अपने वास्तविक परिवार से मिलना, एक स्वच्छ जीवन जीना, एक सामान्य जीवन जीना, और अचानक गरीबी से अमीरों में जाना। क्या आमूल परिवर्तन!

प्रभु हमारे लिए यही करना चाहता है। अभी, आप राजा की सन्तान होना, अनन्त जीवन का वारिस होना चुन सकते हैं, और परमेश्वर का पुत्र या पुत्री बन सकते हैं जिसमें वह अच्छी तरह से प्रसन्न है! बस उससे साग्रह प्रार्थना करो।

AMAZING FACTS

India

हमारी मुफ़्त बाइबिल अध्ययन
पाठ्यक्रम को ना चूकें।
BibleStudy.AFTV.in
पर आज ही नामांकन करें!

AMAZING FACTS

India

परमेश्वर का संदेश हमारा मिशन है

BOOKSTORE.AFTV.IN

पर जाएं जहां आप कई भाषाओं में मसीही सामग्री की खरीद कर सकते हैं और उन्हें आपके द्वार तक पहुंचाया जा सकता है!

अधिक मुफ़्त डिजिटल पुस्तकें खोजें

AFTV.in/Free-Book-Library

हिन्दी, तमिल, तेलगु, कई भाषाओं में उपलब्ध है ...

Amazing Facts India
Post Box No. 51 • Banjara Hills,
Hyderabad, TS, 500034

www.AmazingFactsIndia.org